

24/5
23

सर्वोच्च न्यायालय की निर्णय
पर 'उत्पन्न' की बहस दिनांक
16/5/23 को सुनी गई। वादी का
मुख्य कथन रहा कि विवाद भूखंड
आशुजी वादी व प्रतिवादी गण
की बागलानी भूमि है जिसका
विशेषतः लकासा वही हुआ है,
एवं प्रतिवादी गण द्वारा मौक
पर बिना लकासा करण निर्माण
कार्य करवाया जा रहा है। अतः
प्रतिवादी गण को पाबंद किया
जावे कि वे किसी प्रकार का

सहायक जज
आनेरू प्रयागपुर

लय - 21 हायवू कलेक्टर कार्यालय
 मोहनलाल बनाम गिरधारी
 ना संख्या/वर्ष : 68 / 20 27

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	<p>निर्माण कार्य वही कर एवं मोर्चा स्थिति में परिवर्तन को न करी सविवादी अधिकार का कथन रहा कि उनके द्वारा किसी प्रकार को निर्माण कार्य नहीं किया जा रहा है व केवल कृषि कार्य किया जा रहा है फिर भी अमर उद्योगों को निर्माण वही कर वास्तु स्थायी विधेयता से पाबंद किया जाता है तो उन्हें कोई आपत्ति वही है।</p> <p>पत्रावली का अश्लोकन विषय तथा वे वदस पर मनन किया गया उद्योगों को जारी अध्यायी विधेयता से पाबंद किया जाता है कि वे विवादग्रस्त भूमि वाले ग्राम शिरहली, प.ह शिरहली, लहसील, आमेर जयपुर में स्थित आशुजी भूमि हाल खाल सं 206 में स्थित खंशरा नं. 803, 804, 810, 811, 812, 813, व 814 कुल क्षेत्र 7 व कुल शेका 0.93 है. में किसी प्रकार का निर्माण कार्य</p>	

प्रमुख कलेक्टर
 जयपुर

फर्द अहकाम

न्यायालय सहायक कमिश्नर काफ़े

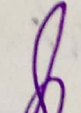
मोहन

बनाम

गिरधारी

मुकदमा संख्या/वर्ष 68

/ 2023

क्र०स०	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
		<p>न करे' न करावे' व मॉक एवं वाजस्व रिकार्ड कि तथा स्थिति मूल वार के निस्तारण तक बनाए रखें।</p> <p>* <u>नोट</u> :- यह आदेश किसी भी प्रकार के लुपि कार्य पर लागू नहीं रहेगा।</p> <p>पत्रावली केसल सुभाह होकर दाखिल दफतर हो।</p> <p style="text-align: right;">  सहायक कमिश्नर आनेर न. जयपुर </p>